GSEB Std 10 Hindi Textbook Solutions Chapter 9 कुत्ते की सीख

GSEB Class 10 Hindi Solutions कुत्ते की सीख Textbook Questions and Answers

स्वाध्याय

1. निम्नलिखित प्रश्नों के नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए।

प्रश्न 1.

सबकी नजर बचाकर खरहा कहाँ रहता था ?

(अ) अपने बिल में

(ब) झाड़ के तने में

(क) झाड़ी में

(ड) जंगल में

उत्तर :

(क) झाड़ी में

प्रश्न 2.

खरहा क्यों भागा ?

(अ) शिकारी कुत्ता पीछे पड़ा था ।

(ब) खाना खत्म हो गया था उसकी तलाश में ।

(क) लोमड़ी उसके पीछे भाग रही थी।

(ड) जंगल में आग लगी थी ।

उत्तर :

(अ) शिकारी कुत्ता पीछे पड़ा था ।

प्रश्न 3.

कुत्ता खारहे को क्यों न पकड़ पाया ?

(अ) कत्ता खरहे के लिए भाग रहा था ।

(ब) खरहा अपनी जान बचाने के लिए भाग रहा था ।

(क) कुत्ते में खरहे को पकड़ ने की शक्ति न थी ।

(ड) खरहा बड़ा चालाक था ।

उत्तर :

(ब) खरहा अपनी जान बचाने के लिए भाग रहा था ।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2. निम्नलिखित प्रश्नों के एक-एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

प्रश्न 1.

खरहा कहाँ रहता था ?

उत्तर :

एक वन में एक स्थान पर पास-पास घनी झाड़ियाँ थीं, खरहा उनमें छिपकर रहता था।

प्रश्न 2.

खरहा नींद से क्यों जाग गया ?

उत्तर :

कुत्ते की साँस का स्वर सुनकर खरहा नींद से जाग गया।

प्रश्न 3.

कुत्ते और खरहे के बीच दौड़ कहाँ और कब तक चली ?

उत्तर :

कुत्ते और खरहे के बीच दौड़ वन में चार मिनट तक चली।

प्रश्न 4.

लोमड़ी क्या देख रही थी ?

उत्तर :

लोमड़ी खेत में कुत्ते को खरहे का पीछा करते हुए तथा खरहे का बीहड़ बन में छिप जाना और कुत्ते का इधर-उधर सूंघकर वापस जाना देख रही थी।

प्रश्न 5.

रोटी कमाने के विषय में शास्त्रों में क्या बताया है ? इस काव्य के आधार पर बताइए ?

उत्तर :

रोटी कमाने के विषय में शास्त्रों में बताया गया है कि अपनी जान बचाकर रोटी कमाना चाहिए, रोटी के लिए जान को खतरे में नहीं डालना चाहिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

प्रश्न 1.

खरहा कहाँ और कैसे रहता था ?

उत्तर :

वन के भीतर एक घनी झुरमुट थी। खरहा उसी झुरमुट में रहता था। वह इस बात की सावधानी रखता था कि उस पर किसी की नजर न पड़े।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न 2.
खरहा झाड़ी से क्यों भागा ?
उत्तर :
एक दिन वन में एक शिकारी कुत्ता आ गया। वह बन की झाड़ियों में संघ-संघकर अपना शिकार खोजता था। शिकार की खोज में सूंघता-सूंघता यह उस झाड़ी के पास पहुंचा, जिसमें खरहा रहता था। कुत्ते की साँस का स्वर सुनकर जब उसकी आँख खुली तो वह अपनी जान लेकर भागा।

प्रश्न 3.
कुत्ता निराश क्यों हो गया ?
उत्तर :
चार मिनट तक कुत्ता खरहे का पीछा करता रहा। अंत में सामने एक घनी कंटीली झाड़ी देखकर-खरहा छलांग लगाकर उसमें घुस गया। कुत्ते के लिए कंटीली झाड़ी में घुसना संभव नहीं था। इसलिए वह निराश हो गया।

प्रश्न 4.
इस घटना को देखनेवाली लोमड़ी ने कुत्ते से क्या कहा ?
उत्तर :
कुत्ता चार मिनट तक खुले खेत में खरहे का पीछा करता रहा, पर वह उसे पकड़ नहीं पाया। तभी सामने कटीली झाड़ी देखकर खरहा उसमें घुस गया। इस घटना को देखनेवाली लोमड़ी ने कुत्ते से कहा, "इतने मोटे-ताजे हो, फिर भी थक जाते हो और वन के जौबजंतुओं को भी नहीं पकड़ पाते।"

प्रश्न 5.
कुत्ते ने लोमड़ी को क्या उत्तर दिया ?
उत्तर :
लोमड़ी ने कुत्ते से कहा कि वह इतना मोटा-ताजा है, फिर भी थक जाता है और छोटे-छोटे जीव-जंतुओं को भी नहीं पकड़ पाता। यह सुनकर कुत्ते ने कहा, "यह बात नहीं है। वास्तव में मैं अपने भोजन के लिए दौड़ रहा था, पर खरहा अपनी जान बचाने के लिए अपनी सारी शक्ति लगाकर भाग रहा था। इसलिए मैं उसे नहीं पकड़ पाया।"

4. निम्नलिखित प्रश्नों के चार-पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए :

प्रश्न 1.
'कुत्ते की सीख' काव्य से क्या बोध मिलता है ?
उत्तर :
इस काव्य में एक शिकारी कुत्ता एक खरहे का पीछा करता है और खरहा अपनी जान बचाने के लिए भागता हुआ एक कैटौली झाड़ी में छिप जाता है और उसकी जान बच जाती है। इस काव्य से

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

यह बोध मिलता है कि चाहे छोटा जीव हो या बड़ा, कमजोर हो या शक्तिशाली, जब उसके प्राणों पर बन आती है, तो उसमें अद्भुत शक्ति आ जाती है। व्यक्ति को संकट के समय अपनी सारी शक्ति लगाकर अपनी जान बचानी चाहिए।

प्रश्न 2.
"कुत्ते की सीख' को कहानी के रूप में लिखें ।
उत्तर :
एक जंगल में एक घनी झुरमुट में एक खरगोश छिपकर रहता था। वह चुनकर नर्म-नर्म घास खाता था और किसी को देखता था, तो झाड़ी में छिप जाता था। एक बार जंगल में एक शिकारी कुत्ता आया। वह शिकार की खोज में झाड़ी-झाड़ी मूंघने लगा। वह सूघते-सूंघते उस झुरमुट के पास पहुंचा, जिसमें खरगोश रहता था। आहट पाते ही खरगोश भाग खड़ा हुआ। कुत्ता लगातार चार मिनट तक खुले खेत में उसका पीछा करता रहा, पर वह उसे पकड़ नहीं सका। तब तक सामने एक कटीली झाड़ी आई और खरगोश छलांग लगाकर उसमें छिप गया। ।

कुत्ता इधर-उधर सूंघकर निराश होकर वापस जाने लगा। एक लोमड़ी खड़ी-खड़ी यह सारी घटना देख रही थी। उसने कुत्ते से कहा, "मामा, तुम हार गए। तुम इतने मोटे ताजे हो, पर बन के छोटे-छोटे जीव-जंतुओं को भी नहीं पकड़ पाते।" कुत्ते ने लोमड़ी से कहा, "अरे पगली, तुम इस रहस्य को नहीं समझ सकती। मेरे और खरहे के दौड़ने में अंतर है। मैं उसके पीछे अपने भोजन के लिए दौड़ रहा था, जबकि खरहा अपनी जान बचाने के लिए भाग रहा था। कहा गया है कि कोई भी उद्यम करो तो जान बचाकर करो, पर संकट आने पर अपनी पूरी ताकत लगाकर अपनी जान बचाने की कोशिश करो।"

प्रश्न 3.
निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ स्पष्ट कीजिए :
कहते हैं सब शास्त्र कमाओ, रोटी जान बचाकर,
पर संकट में प्राण बचाओ, सारी शक्ति लगाकर ।
उत्तर :
शास्त्रों में कहा गया है कि जान महत्त्वपूर्ण है। अपनी जीविका के लिए वही उद्यम करो, जिसमें जान पर कोई आंच न आए। पर जब जान पर संकट आ जाए, तो प्राण रक्षा के लिए अपनी पूरी शक्ति लगा दो। ऐसे अवसर पर शरीर में विशेष शक्ति आ जाती है।

6. निम्नलिखित के पर्यायवाची शब्द दीजिए :

प्रश्न 1.

1. खरहा - .....

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2. झुरमुट - .....
3. शिकारी - .....
4. कंटीली - .....
5. बीहड़ - .....
6. देह - .....
7. दीवानी - .....
8. शक्ति - .....

उत्तर :

1. खरहा - खरगोश
2. झुरमुट - झाड़ी
3. शिकारी - आखेटक
4. कटीली - कोटेदार
5. बीहड़ - भयावह
6. देह - शरीर
7. दीवानी - पगली
8. शक्ति - जोर

7. निम्नलिखित के विरोधी शब्द दीजिए :

प्रश्न 1.

1. दूर × .....
2. आखिर × .....
3. पीछे × .....
4. निराश × .....
5. मोटी × .....
6. कमाना × .....

उत्तर :

1. दूर × निकट
2. आखिर × पहले
3. पीछे × आगे
4. निराश × आशावान
5. मोटी × पतली
6. कमाना × खरचना

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in